खर्बर.—All but C सुराष्ट्र for सुवास्त.—20. A om. आण.—A ॰ हिबंध, E ॰ इब्रिश्न.-N, S दैवानि E दैवतानि.-21. A ॰ निनिमंनित्व॰, S ॰ निनमांज-नित्न .- D बहलाः, C, E वहलाः-All but E धारांकर.-22. C चेद् or बेदि, D बेदि, A पेचि.—N बैदेहि॰.—23. This and the three following stanzas are taken from the author's Samasa-Sanhita, and are wanting in B, D, E, N, and quoted in C; A, S समामसंहितायाम्॥ जल्ला etc.— A ककुण्विदाहाः-24. A द्याभ.-C चातिष्टिर्-A, C जाग्न.-A वन्यस-त्यं.—C ऐन्द्रः कार्मुकः—25. C वत्त for तूर्य.—A निगद्यं.—28. B, D, S, E, N उपतप्यन्ते, A उपयत्यन्ते.—29. N श्रुभष्टष्टि, A सुष्टष्टि.—30. C, E देवराष्ट तु.—31. C, D (अ)त्यधिकं, S (अ)प्यधिकं.—D, E वर्ष्टिभः, S वर्ष्टितः—32. All but C वा for च.—The title in S भवंप॰, in D चितवंपाधायः.—The number in C is 31, in E 32, in B, D 33, in S, N none, in A 30, but this is a mistake. Immediately after it, A has: शिखायाः फलं पराश्ररतंत्र ॥ Then follow two distichs, quoted also by C: आवन्तकान प्रिन्दान् विदेहकाश्मीरदरद्वासातान् (C वासांताः, A वाचांसा)। वच्चात्रितांच वायय-वारुणे प्राप्तयात्योडा ॥ ऐच्चाकवास्मर्थ्यान् पटचराभोरचोनमरुकुत्सान् (A चरम-नक्यान्)। ऐन्द्रःग्रेथे कम्पा हिनस्ति राज्ञस समदौणान्॥—After this A repeats vs. 1, 2, 3, 4 of Ch. XXX: दाहा दिशां etc.; at the end द्वि अ। विरदाचल चणमेक विश्वताः!

CHAPTER XXXIII.

2. C तारा पा॰.—3. A, S विद्युत्तशा॰.—6. D, E, N दश धन्षा.—7. A तांतु.—D अधा अधार्ध्वार्ध्व याति.—S कहा॰.—A, B, D, E एव for इव.—9. Conce लांगल, once as in the text -All but C •गाभा without Visarga.-S रूपा.—10. C, E गिरिकरि.—C in the text श्रीवस, afterwards श्रीष्टच like all the others. I suspect that श्रोटच is a corrupted form, perhaps from न्रीवद्यः, which may be the original of न्रीवत्स. -11. S, N विश्वमती.-12. The MSS. but C तन्निहता.—13. A दिवाकराद, D दिवा यातुर्जिंगिमिषाः प्रतः पतिता वा.—14. C ॰ झाः, D, E झाः.—A इन्युर्थ्या मू॰.—16. C once ग्यावा, once ग्यासा.—C वारणो.—All संनिभा, changed by me into निभा.— D सांध्या.—E न्वलिता for दलिता.—17. A रवींद्वाः—B, D, N च for वा.— 18. N देवेष.—19. A सुद्रावणेष.—20. All पीडा.—21. S, N देशानां.—23, All उत्हार for उत्कर —25. D तिथगा, E तिथग्या (sic).—С द्यांगनां.— 26. D, E प्रमर्थती.—28. All but C ग्रुकर.—A, S गताथवा.—A, B, D S have after vs. 23 this: प्रेनवत् प्रचत्यते इति नायकं द्या । कवंधवच द्याते श्स्वकापमादिशेत्॥.—30. C रिपून्नचिरात्—The number of this Ch. in A. C is 32, in E 33, in B, D 34, in S, N om.